



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

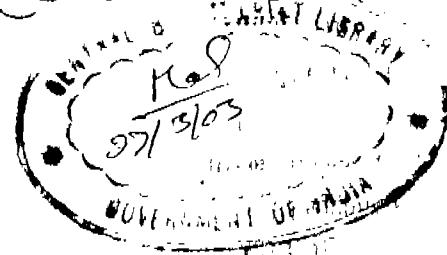
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 403]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 28, 2002/भाद्रा 6, 1924

No. 403 |

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 28, 2002/BHADRA 6, 1924

स्थान्त्रिय और परिवार कल्याण मंत्रालय

(भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 2002

सा.का.नि. 607(अ).—औपचित्र और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 का और संशोधन करने के लिए कल्पित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी औपचित्र तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात्, औपचित्र और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 6 की उपधारा (1), उपधारा (2) के खंड (घ) और खंड (च) के मात्र परित धारा 33द की उपधारा (1) के खंड के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, जिसे उक्त धाराओं की अपेक्षानुसार ऐसी सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र के प्रतियां, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, 45 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप और सूझाव, यदि कोई हो, तो संक्षिप्त, भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग, स्थान्त्रिय और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारतीय रेष्ट्रेक्टर्स सोसाइटी भवन, नई दिल्ली-110001 को भेजे जा सकेंगे।

उपर्युक्त विनियोगित अवधि के भीतर उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सूझाव प्राप्त होने पर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम औपचित्र और प्रसाधन सामग्री (संशोधन) नियम, 2002 है।

(2) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. औपचित्र और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में,—

(क) नियम 162 के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“नियम 162—आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी औपचित्रों के अनुज्ञापन के लिए राज्य औपचित्र अनुज्ञापन प्राप्तिकरी के लिए अहताएँ :

(क) भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 की द्वितीय अनुसूची के अनुसार आयुर्वेद/सिद्ध/यूनानी अहताएँ/किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी.फार्मा (आयुर्वेद)।

(ग्र) आयुर्वेद/सिद्ध/यूनानी औषधि विनिर्माण या आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी औषधियों के परीक्षण या औषधि और प्रभाधन सामग्री अधिकारियत के अध्याग 4क और तद्भीन् इनाएँ नियमों के लगतांधीं के प्रलैटन दा आयुर्वेद/सिद्ध/यूनानी औषधि की रोगालक्षण पट्टिके शिक्षण/अनुसंधान में कम से कम पांच वर्ष का अनुभव।

[फा. सं. के-11024/3/2002-डी सी सी (आई.एस.एम.)]

एल. प्रसाद, संयुक्त सचिव (आई.एस.एम.एंड.एच.)

पाद टिप्पण :—मुख्य नियम भा.का.नि. संख्या एफ 28-10/45 एन(1), दिनांक 21-12-1945 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अन्तिम आर दिनांक 18-7-2002 के संख्या सा.का.नि. 504(अ) के द्वारा संशोधन किया गया था।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Indian Systems of Medicines and Homoeopathy)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th August, 2002

G.S.R. 607(E).—The following draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, which the Central Government after consultation with the Ayurvedic, Siddha and Unani Drugs Technical Advisory Board proposes to make, in exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-section (1) of Section 33-N read with Sub-section (I), clause (d) and (f) of Sub-section (2) of Section 6 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), is hereby published as required by the said sections for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of 45 days from the date on which copies of the Official Gazette in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy, Ministry of Health and Family Welfare, Indian Red Cross Society Building, New Delhi-110001;

Any objection or suggestions, which may be received from any person with respect to the said draft rules within the period specified above will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (.....Amendment) Rules, 2002.
2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945,—
 - (a) after rule 162, the following shall be inserted, namely :—

“rule 162A—Qualifications for State Drug Licensing Authority for licensing of Ayurveda, Siddha and Unani drugs

 - (a) The Ayurvedic/Siddha/Unani qualifications as per Schedule II of CCIM Act 1970/B Pharma (Ayurveda) of a recognized University.
 - (b) At least 5 years experience in the Ayurveda/Siddha/Unani drug manufacturing or testing of Ayurvedic, Siddha and Unani drugs or enforcement of provisions of Chapter IV A of the Drugs and Cosmetics Act and Rules thereunder or teaching/research of clinical practice of Ayurveda/Siddha/Unani System”

[F. No. K-11024/3/2002-DCC(ISM)]

L. PRASAD, Jt. Secy. (ISM & H)

Foot Note :—The Drugs and Cosmetics Rules, 1945 as amended upto 1-5-1979 is contained in the publication of the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health containing the Drugs and Cosmetics Act, 1940) and the Rules (PDGHS-61) and last amended vide G.S.R. No. 504(E) dated 18-7-2002.